पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.10.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-10 कार्तिक-2079 दयानन्दाब्द 199 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.10.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 455वां वेबिनार सम्पन्न

'युग पुरुष श्री राम जी' पर गोष्ठी सम्पन्न

श्री राम सत्य निष्ठ व धर्म के पर्याय थे –अतुल सहगल

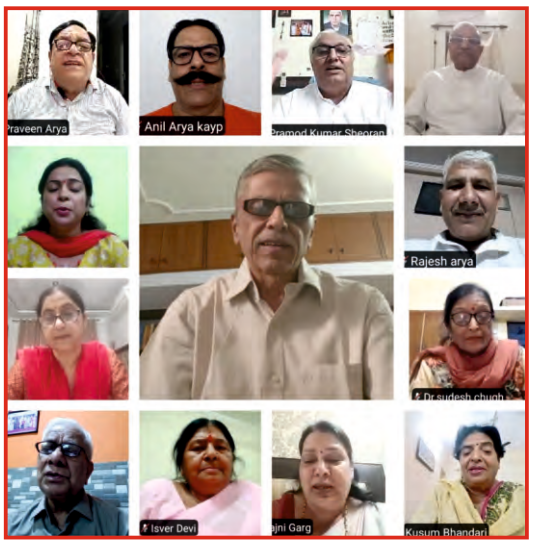

सोमवार 3 अक्टूबर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'युग पुरुष श्री राम जी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 451 वा वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि वर्तमान मास में चल रहे उत्सव के परिपेक्ष्य में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के चरित्र चित्रण की उपयुक्तता की बात की, उन्होंने श्री राम को आप्त पुरुष के रूप में उद्बोधित किया स उनके जैसा सर्व गुण संपन्न मानव पृथ्वी पर उनके बाद अभी तक नहीं उत्पन्न हुआ स श्री राम के समकालीन ऋषि वाल्मीकि और नारद जी के ऐतिहासिक संवाद के अंतर्गत श्री राम के अनेक गुणों का चित्रण किया स रामायण के विभिन्न कालखंडों में घटित महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रस्तुत किया स इनमें श्रीराम के विभिन्न अवसरों पर वक्तव्य और अन्य उल्लेखनीय घटनाओं की बात करते हुए, श्रीराम के श्रेष्ठतम चरित्र की संक्षिप्त विवेचना की स श्रीराम पूर्णतः सत्यनिष्ठ पुरुष थे और सत्य धर्म का ही पर्याय है स इसलिए वे धर्म के परम रक्षक थे स वे पूर्णतः मर्यादा में बंधे हुए पुरुष थे स मर्यादा के विषय की व्यवहारिक और दार्शनिक विवेचना करते हुए, मर्यादित कर्मों को धर्माचरण की संज्ञा दी स श्रीराम की विनम्रता और सरल स्वभाव उनके आकर्षक व्यक्तित्व को और सुशोभित करते थे स वे त्याग और तपस्या की मूर्ति थे स ऋषि वाल्मीकि के शब्दों में वे अपने सम्पूर्ण कार्य कुशलता से करते हुए ऐसे लगते थे जैसे समाधि और जीवनमुक्त अवस्था में हों स वक्ता ने रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रस्तुत करते हुए, श्रीराम के पूर्ण धर्मनिष्ठ व्यवहार की चर्चा की स हम उनके जीवन से क्या शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं ––इस विषय पर कुछ बिंदु प्रस्तुत किये स श्रीराम ने राष्ट्र के शत्रुओं का नाश किया और यह कृत्य हमारे लिए अनुसरणीय है स हमें भी उनकी तरह सत्य अथवा धर्म को सर्वोपरि रखना चाहिए स अंत में श्रीराम को राष्ट्र पुरुष एवं युग पुरुष घोषित करने के आधारबिंदु सामने रखे स त्रेता युग में जन्मे श्रीराम का चरित्र आज कलयुग में भी पूर्णतः जीवित है और यही उनको युग पुरुष के रूप में प्रतिष्ठित करता है स वक्ता ने यह कहते हुआ अपना उद्बोधन समाप्त किया कि श्रीराम के सम्पूर्ण चरित्र चित्रण के लिए शब्द और वाक्य कम पड़ जाते हैं। भावुक और आत्मविभोर हो उठता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज चित्र की नहीं अपितु चरित्र की पूजा करता है हमें श्री राम के गुणों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रमोद चौधरी (प्रधान, आर्य समाज वृंदावन गार्डन साहिबाबाद) व अध्यक्ष जगवीर सिंह आर्य ने भी मर्यादापुरुषोत्तम श्री राम के गुणों की चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने नई पीढ़ी को श्री राम व योगीराज श्री कृष्ण के उज्जवल चरित्र को बताने का आह्वान किया।गायिका प्रवीना ठक्कर, दीप्ति सपरा, कमला हंस,कुसुम भंडारी, रजनी चुग,रजनी गर्ग, ईश्वर देवी, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, रविन्द्र गुप्ता, डॉ. सुदेश चुग आदि के मधुर भजन हुए।

'विजय दशमी का संदेश' पर गोष्ठी सम्पन्न

शस्त्र और शास्त्र का समन्वय आवश्यक है –विमलेश बंसल दर्शनाचार्य

पर्व हमारी संस्कृति को मजबूत बनाते हैं–अनिल आर्य

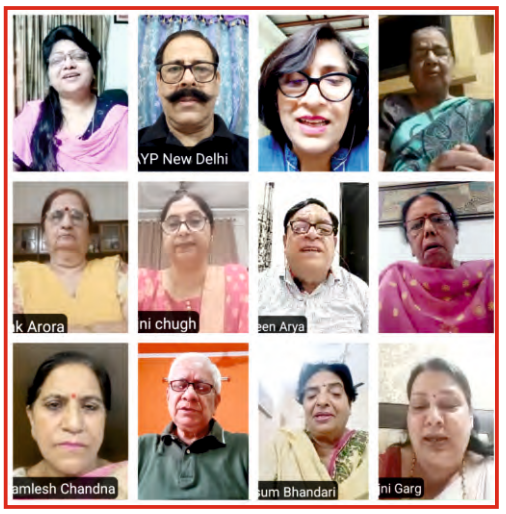

बुधवार 5 अक्टूबर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'विजय दशमी का संदेश' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 452 वा वेबिनार था। वैदिक विदुषी विमलेश बंसल दर्शनाचार्य ने कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र रक्षा होती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। लेकिन शास्त्रों का अध्ययन व ज्ञान आवश्यक है तभी राष्ट्रनीति सही दिशा में चलेगी और शस्त्र अन्यायी का विनाश करेंगे। शस्त्र का प्रयोग यदि नहीं होगा तो जंग लग जाएगा साथ ही अध्ययन नहीं होगा तो पुस्तकों को दीमक लग जायेगी। लक्ष्य भेद के लिए दिशा का ज्ञान होना चाहिए जिसके लिए परमात्मा का आशीर्वाद भी आवश्यक है अतः पुरुषार्थ के साथ साथ ईश्वर की अनुकंपा का भी सतत प्रयास करते रहना चाहिए और अपने बच्चों को संस्कार देने चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह पर्व हमारी संस्कृति को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। हमारे सभी देवी देवता फरसा,धनुष–बाण,सुदर्शन चक्र,गद्दा ,तलवार आदि से सुसज्जित शक्ति रेव जयते व वीर भोग्या वसुंधरा का संदेश दे रहे हैं ए कमजोर आदमी दुनिया में पिटने के लिए पैदा होता है पविजय दशमी का पर्व हमे अन्याय के प्रतिकार का संदेश देता है। मुख्य अतिथि डॉ. रचना चावला व अध्यक्ष रजनी गोयल ने कहा कि विजय दशमी कमजोर की रक्षा व अन्यायी का दमन करने की शिक्षा देती हैं। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, शोभा बत्रा,जनक अरोड़ा, कमला हंस, ईश्वर देवी आदि के मधुर भजन हुए।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली

139वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

मंगलवार, 25 अक्टूबर 2022, शाम 4.00 बजे से रात्रि 8 बजे तक

स्थान : आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार (क्लब रोड), दिल्ली-110026

यज्ञ: सायं 4 से 5 बजे तक, ब्रह्मा: आ. जसवन्त शास्त्री, प्रवचन: आ. गवेन्द्र शास्त्री

मुख्य यजमान: सर्व श्री डॉ. (कर्नल) विपिन खेड़ा, वीरेश बुग्गा, सुरेश आर्य, सुरेन्द्र कोछड़, डॉ. राजीव चावला

गायक कलाकार:-

नरेन्द्र आर्य सुमन सुदेश आर्या पिंकी आर्या नरेश खन्ना दीप्ती सपरा

मुख्य अतिथि: डॉ. हर्षवर्धन जी (सांसद), श्री प्रवेश वर्मा जी (सांसद), श्री हंसराज हंस (सांसद)

अध्यक्षता : श्री धर्मपाल कुकरेजा (प्रधान, आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार)

विशिष्ट अतिथि : श्री आनन्द चौहान, श्री सुभाष आर्य (पूर्व महापौर), श्री कैलाश सांकला (पूर्व पार्षद)

गरिमामय उपस्थिति: सर्व श्री यशपाल आर्य (पूर्व पार्षद), ठाकुर विक्रम सिंह, मायाप्रकाश त्यागी, सत्यानन्द आर्य, ओम सपरा, लायन प्रमोद सपरा, सीमा भाटिया, रवि चड्डा, जितेन्द्र खरबंदा, सुरेन्द्र मानकटाला, के.एल. राणा, कस्तूरीलाल मक्कड़, श्याम पुन्जानी, राजेन्द्र दुर्गा, राजेन्द्र लाम्बा, नरेश गुलाटी, प्रेम छाबड़ा, शशि तुली राजू कोहली, अमरनाथ बत्रा, राजकुमार अग्रवाल, ओमवीर सिंह, भोपालसिंह आर्य, अमरसिंह आर्य, संजय सपरा, ओमप्रकाश अरोड़ा, सुरेन्द्र गुप्ता, धर्मपाल परमार, अंजू जावा, सोमनाथ पुरी, नरेन्द्र अरोड़ा, प्रकाशवीर शास्त्री, व्रतपाल भगत, सोहनलाल आर्य, अरूण आर्य, संजीव महाजन, अनिल मित्रा, डॉ. धर्मवीर आर्य, विनोद कालरा, सुदेश डोगरा, आस्था आर्या, सुनील गुप्ता, विनोद गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, ओमप्रकाश नांगिया, प्रेम सचदेवा, जीवन लाल आर्य, संतोष शास्त्री, सुशील बाली, आदर्श आहुजा, प्रदीप तायल, प्रवीन तायल, गायत्री मीना, उर्मिला-महेन्द्र मनचंदा, अनीता ग्रोवर, राजेश मेहन्दीरत्ता, जवाहर भाटिया, कुसुम भंडारी, सुनीता बुग्गा, सोनिया संजू, उर्मिला आर्या, नरेन्द्र कालरा, वेद खट्टर, सतीश आर्य, सुशील सलवान, ब्रह्मप्रकाश मान, मनोज मान, राजरानी अग्रवाल।

आर्य महिला गौरव अवार्ड से सम्मानित होंगें

डॉ. सुषमा आर्या	श्रीमती विमलेश बंसल	श्रीमती श्रुति सेतिया
श्रीमती राधा भारद्वाज	श्रीमती सुदेश कालड़ा	श्रीमती इंदु मलिक
श्रीमती संतोष गिरोत्रा	श्रीमती कृष्णा गांधी	श्रीमती रजनी गर्ग
श्रीमती रजनी चुघ	श्रीमती सुनीता बावा	प्रो. करूणा चांदना
श्रीमती सत्या चुघ	श्रीमती प्रेम नागपाल	श्रीमती उषा मित्तल

आमंत्रित आर्य नेता: सर्व श्री आर.पी. सूरी, रविदेव गुप्ता, गोपाल जैन, रविन्द्र आर्य, देवमित्र आर्य, अशोक गुप्ता, विकास शर्मा, पुष्पलता वर्मा, मदन खुराना, माता कृष्णा सपरा, रेखा शर्मा, निष्ठा भारद्वाज, रत्नाकर बत्रा, जितेन्द्र डावर, आनन्द प्रकाश गुप्ता, निर्मल जावा, किरण सहगल, प्रि. अंजू महरोत्रा, प्रोमिला गुप्ता, आशा भटनागर, नम्रता रहेजा, संजीव सेठी, सोहनलाल मुखी, देवदत्त आर्य, महेन्द्र टांक, वेदप्रकाश, प्रकाशचंद आर्य, सुरेन्द्र शास्त्री, माता शीला ग्रोवर, डॉ. दीपक सचदेवा, अनीता कुमार, अशोक आर्य, संजीव आर्य, नरेश विज, प्रवीण बत्रा, कै. अशोक गुलाटी, डॉ. विशाल आर्य, जगवीरसिंह आर्य, कृष्णकुमार यादव, सुरेश आर्य, गोपाल आर्य, सुदेश भगत, वीरेन्द्र आहूजा, गजेन्द्र आर्य, नरेन्द्र राणा, मैथिली शर्मा, स्वर्णा सेतिया, यज्ञवीर चौहान, दशरथ भारद्वाज, सुनील बत्रा, प्रहलाद सिंह, अजय चौधरी, ज्योति ओबराय, मनीषा कथूरिया, अजय तनेजा।

ऋषि लंगर: रात्रि 8 बजे **आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं**

निवेदक

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	एस.के. छतवाल वरि. उपप्रधान	पी.एस. दहिया कोषाध्यक्ष
राम कुमार सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री	प्रवीण आर्य राष्ट्रीय मन्त्री	संतोष शास्त्री, हर्षदेव शर्मा राष्ट्रीय मन्त्री	अनिल कपूर प्रबन्धक
दुर्गेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	वेदप्रकाश आर्य स्वागत मन्त्री	अरूण आर्य, माधव सिंह, प्रदीप, वरूण, शिवम्, गौरव झा प्रबंधक गण	

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9013137070, 9958889970
Email: aryayouth@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

'रावण अभी मरा नहीं' पर गोष्ठी सम्पन्न

मन के अंधेरे के रावण को मारना है – डा. नरेन्द्र आहुजा विवेक

शुक्रवार,14 अक्टूबर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 'रावण अभी मरा नहीं' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 455 वां वेबिनार था। हरियाणा के पूर्व राज्य औषधि नियन्त्रक एवं केंद्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रभारी नरेन्द्र आहूजा विवेक ने कहा कि विजयदशमी का पर्व मना कर हम बहुत प्रसन्न होते हैं कि हमने प्रति वर्ष लम्बे होते रावण के पुतले को जला दिया और बुराइ,अधर्म पर अच्छाई और धर्म की विजय हुई। लेकिन हमारे भीतर हमारे मन के अंधेरे कोनों में छिपा रावण अट्टाहस लगा कर हंसता है कि वह तो जीवित है हमारे ही भीतर काम,क्रोध,लोभ,मोह ईर्ष्या,द्वेष अहंकार आदि कलुषित भावनाओं के रूप में जिंदा है। जब तक समाज मे जातिवाद, भाषा,क्षेत्र वाद,ऊंच नीच के वाद विवाद हैं तब तक समझो रावण अभी मरा नहीं हमारे समाज मे जीवित है।जब तक राष्ट्र विरोधी ताकतें मेरे देश की अखंडता सम्प्रभुता पर खतरा बनी हुई है तब तक समझो कि रावण अभी मरा नहीं।हमें अपने भीतर मन के अंधेरे कोनों में चोर की तरह छिपे रावण का वध सत्य वैदिक सिद्धान्तों सदाचार से करना होगा। समाज में पाखंड अंधविश्वास आपसी झगड़ों के रावण का वध सत्य के अर्थ के प्रकाश से करना होगा और राष्ट्र विरोधी ताकतों को पराक्रम से कुचल कर रावण का वध करना होगा तभी विजय दशमी मनाना सार्थक होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि समाज में व्याप्त बुराईयां सभ्य समाज के लिए चुनौती है उन्हें मिलकर दूर करने का कार्य करना है। मुख्य अतिथि सुनीता बुग्गा व अध्यक्ष प्रवीन आर्य (प्रांतीय महामंत्री केआयूप उत्तर प्रदेश) ने भी अपने विचार रखते हुए विजय दशमी के रचनात्मक संदेश को ग्रहण करने का आह्वान किया।

'पहला सुख निरोगी काया' पर गोष्ठी सम्पन्न

संतुलित भोजन, नींद व प्रसन्नता स्वास्थ्य का आधार –योगाचार्य श्रुति सेतिया

शुक्रवार 7 अक्टूबर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'पहला सुख निरोगी काया' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 453 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि स्वस्थ शरीर होने पर ही व्यक्ति सारे कार्य कर पाता है अन्यथा यह शरीर बोझ लगने लगता है अतः व्यक्ति को पुरुषार्थ कर स्वस्थ रहना चाहिए तभी वह जीवन का आनंद ले सकता है।उन्होंने कहा कि निरोगी काया के लिए तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण है–– संतुलित भोजन, नींद और मानसिक प्रसन्नता। संतुलित भोजन का अर्थ है वह भोजन जिससे हमारे शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति हो सके।निरोगी काया से ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव है।आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में व्यक्ति किसी एक क्षेत्र में तो सफलता अर्जित कर लेता है परंतु अन्य पक्षों को नकार देता है।इस विकास को सर्वांगीण विकास नहीं कहा जा सकता। सर्वांगीण विकास का अर्थ है व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आध्यात्मिक विकास होना। इन गुणों को विकसित करने में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक सिद्ध होती हैं। प्रकृति रोग के रूप में दण्ड देती अवश्य है, परन्तु वह पहले चेतावनी देकर रोग मुक्ति का अवसर भी हमें प्रदान करती है। स्वस्थ बने रहने के लिए जिन मर्यादाओं का पालन करना पड़ता है यह मात्र पांच है। इन्हें निरोगिता के पंचशील कह सकते हैं। पहला–– सात्विक भोजन, दूसरा–– उपयुक्त जीवन शैली , तीसरा–– समय पर गहरी नींद, चौथा–– स्वच्छता,पांचवा–– मन को हल्का रखना। इन 5 नियमों के पालन करने से स्वास्थ्य अक्षुण बना रहता है। यदि किसी कारणवश बिगड़ गया तो भूल सुधार लेने से प्रकृति क्षमा कर देती है और खोया हुआ स्वास्थ्य फिर वापस लौटा देती है। सात्विक भोजन से तात्पर्य बिना भूख के कभी ना खाना। जो पच सके वह अमृत और जो बिना पचे पेट में पड़ा रहे वह विष होता है। खाद्य पदार्थ चबा चबाकर खाना चाहिए। खाद्य पदार्थ जीवित हो, अर्थात उसे भुना तला ना गया हो, अंकुरित हो। खाने के बाद पचाने के लिए श्रम की आवश्यकता है। शारीरिक श्रम नियमित रूप से किया जाए।व्यायाम, प्राणायाम, तेज टहलना और तेल मालिश ऐसे कई तरीके हैं जिससे शरीर के अंग अवयवों को पसीना निकाल देने वाला श्रम करने का अवसर मिल सके। इसके अतिरिक्त पूरी समय नींद लेने की आवश्यकता पूरी करनी चाहिए। इसके लिए ऐसा कार्यक्रम बनाना चाहिए जिससे जल्दी सोना और जल्दी उठने का क्रम सतत्तः बना रहे। स्वास्थ्य को बिगड़ने का कारण गंदगी भी है। स्वस्थ रहने के लिए घर यथासंभव ऐसे होने चाहिए जिनमें धूप और हवा का आगमन होता रहे।स्वास्थ्य रक्षा का पांचवा आधार है विचार तंत्र। मस्तिष्क पर कुविचारों का अनावश्यक तनाव नहीं पड़ने देना चाहिए। प्रसन्न रहने की आदत होनी चाहिए। प्रसन्न रहने की आदत ना केवल स्वभाव को लोकप्रिय बनाती है वरन स्वास्थ्य को भी सुस्थिर सुदृढ़ बनाए रहती है।मौत ओर बुढ़ापा तो स्वाभाविक है,पर बीमारी अस्वाभाविक है।यह तो प्रकृति के अनुशासन की अवज्ञा करने का दंड है। दंड का भाजन उसी को बनना पड़ेगा जो लापरवाही करेगा। यदि हम सही रास्ते पर चलें तो निश्चय ही निरोगी और दीर्घजीवी बनकर वो सब कुछ कर सकते हैं जिसके लिए इस धरती पर आए हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही जीवन का आधार है।सभी सुखों का आनंद स्वस्थ शरीर से ही लिया जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रतिभा कटारिया व अध्यक्ष योगाचार्या रजनी चुघ ने भी स्वस्थ रहने के उपाय बताये। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि करो योग रहो निरोग। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर,पिंकी आर्य,कौशल्या अरोड़ा,सुनीता अरोड़ा, रचना वर्मा, ईश्वर देवी, जनक आरोड़ा, कमला हंस, कमलेश चांदना, बिंदु मदान,राज अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

450वें वेबिनार में गूंजी स्वर लहरियां

संगीत तनाव मुक्ति का उतम साधन–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

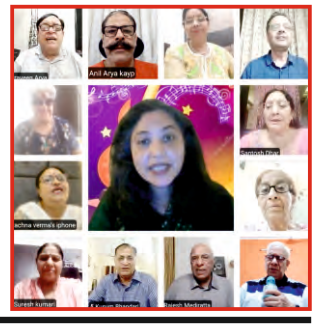

शुक्रवार 30 सितम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने अपने 450 वें वेबिनार को गीत संगीत व लोकगीत के साथ मनाया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि 23 मार्च 2020 से प्रारम्भ आर्य वेबिनारों की श्रंखला 450 को पार कर रही है यह प्रसन्नता देने वाली है।हमने कोरोना काल में विभिन्न विषयों पर वेबिनार करके लोगों को ज्ञान, स्वास्थ्य व प्रसन्नता देने का कार्य किया।जिसमें लगभग 15 देशों से लोग जुड़े हैं जिससे विश्व बंधुत्व भी मजबूत हुआ है।उन्होंने आगे कहा कि संगीत अपने आप में ओषधि का कार्य कर्ता है व निराश व्यक्ति में भी उत्साह ऊर्जा प्रदान कर्ता है। गायकों नताशा कुमार, पिंकी आर्या, प्रवीना ठक्कर, रजनी चुग, कृष्णा गांधी, राजकुमार भंडारी, रचना वर्मा,सुनीता अरोरा,सुदेश आर्या,राजेश मेंहदीरत्ता,नरेश खन्ना,संतोषधर,कृष्णा पाहुजा, रविन्द्र गुप्ता आदि के मधुर गीत हुए।

'दुबई क्या कहता है' गोष्ठी सम्पन्न

अनुशासन, कठोर नियम, और स्वच्छता दुबई से सीखना चाहिए – आचार्य विजय भूषण आर्य

बुधवार 12 अक्टूबर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'दुबई क्या कहता है' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 454 वा वेबीनार था। मुख्य वक्ता आचार्य विजय भूषण आर्य ने बताया कि दुबई से अनुशासन,नियम व स्वच्छता सीखने की आवश्यकता है। वह 20 दिन की यात्रा करके वापिस आए थे उन्होंने बताया कि अनेक दर्शनीय स्थल देखे ।सभी बहुत ही सुन्दर लगे । जिनमें से मुख्य हैं – बुर्ज खलीफा , मिरेकल गार्डन, दुबई मॉल, दुबई एक्वेरियम,गोल्ड सूक, बालीवुड पार्क, डेज़र्ट सफारी , दुबई फ्रेम, दुबई मरीना ,लगूना वाटर पार्क इत्यादि। मनभावन लुभावने ये दर्शनीय स्थल जहां सभी को आकर्षित करते हैं ,वहां दुबई के एक से बढ़कर एक मॉल में प्रत्येक प्रकार के सामान जो आपको एक ही छत के नीचे मिल जाते हैं। कोई हबड़ा तबड़ी नहीं ,कोई छीना झपटी नहीं , कोई चोरी चकारी नहीं ,कोई बेईमानी नहीं। सब कुछ सुव्यवस्थित। समय का पालन चाहे मेट्रो हो या ए सी बसें। सभी की यात्रा बहुत ही आराम दायक। बस में और मैट्रो में एक ही कार्ड चलता है। यदि किसी ऐसे स्थान पर जाना चाहते हैं जहां मैट्रो नहीं जाती टैक्सी उपलब्ध है। सब कुछ निश्चित है। कुछ कम करो , यह सौदेबाजी यहां नहीं होती। सब चीजों पर मूल्य लिखा है ,जो आपको लेना है ले लो। सबसे बड़ी और अच्छी बात यह है कि आप नियम तोड़ ही नहीं सकते। यदि नियम तोड़ा तो निश्चित उसका दंड मिलेगा। कोई भाई भतीजावाद नहीं। कोई लड़ाई झगड़ा नहीं । लगभग 192 देशों के लोग दुबई में रहते हैं । हमें एक दिन भी कोई भी ऐसा दृश्य देखने को नहीं मिला जिसे हम दुबई की कमी कह सकें । कुल मिलाकर बेहद सुन्दर, सफल ,आकर्षक, नियमों पर चलने वाला देश है दुबई। आप भी वहां यदि जायेंगे तो दुबई में ऐसा ही अनुभव लेकर लौटेंगे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डा. सुषमा आर्या, विमला आहुजा,अनिता रेलन व दुबई से रविमोहन राय ने भी अपने अनुभव सांझा किए। गायिका रजनी गर्ग,रजनी चुग,पिंकी आर्या,ईश्वर देवी,जनक अरोड़ा, रविंद्र गुप्ता, प्रवीणा ठक्कर, कमलेश चांदना आदि ने मधुर भजन सुनाए। सभी ने घर बैठे ही दुबई के दर्श्यो का आनद लिया।

आर्य समाज रानी बाग व प्रशांत विहार का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

बढ़ता पाखंड अंधविश्वास आर्यों के लिए चुनौती –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

आर्य समाज प्रशांत विहार दिल्ली में संबोधित करते हुए श्री अनिल आर्य व आचार्य शिवनारायण शास्त्री, आचार्य उषर्व बुद्ध जी आदि।

आर्य समाज रेलवे रोड़ रानी बाग दिल्ली में संबोधित करते हुए श्री अनिल आर्य, द्वितीय चित्र में श्री अनिल आर्य का अभिनंदन करते हुए प्रधान सोमनाथ पुरी,मंत्री मदन अरोड़ा,संयोजक मैथिली शर्मा, योगेन्द्र शर्मा, अवधेश शर्मा आदि।

रविवार 9 अक्टूबर 2022, आर्य समाज रानी बाग व प्रशांत विहार दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। करोना काल के बाद यह पहला कार्यक्रम था जिसमें लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि समाज में बढ़ता पाखंड और अंधविश्वास आर्य समाज के लिए चुनौती है, पहले से अधिक यह बड रहा है पड़े लिखे लोग भी इसके मायाजाल में फंस जाते हैं। आज आर्य समाज की आवश्कता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। देश की विषम परिस्थितियों में हिन्दू समाज को संगठित होने की आवश्यकता है तभी आने वाली चुनौतियों का सामना कर पायेगे। आर्य समाज एक जनान्दोलन है समाज की समस्याओं के साथ जुड़ कर ही उसका निराकरण सम्भव है। आचार्य विमलेश बंसल व आचार्य उषर्बुद्ध ने जीवन निर्माण के सूत्र समझाये और सात्विक सतोगुणी बनने का आह्वान किया। स्वर्ण सेतिया, अनुराधा के मधुर भजन हुए। प्रधान सोमनाथ पुरी, धर्म पाल परमार ने अभार व्यक्त किया। संचालन मैथिली शर्मा व नरेंद्र कस्तूरिया ने किया। प्रमुख रूप से अवधेश आर्य,श्यामपाल आर्य, शिव नारायण शास्त्री, मदन अरोड़ा,रेखा शर्मा, उर्मिला आर्य, संगीता आर्य, संजय सेतिया, माला शर्मा, सुनील गुप्ता, देवेन्द्र दहिया, सुरेन्द्र गुप्ता, सोहन लाल मुखी, अंजू जावा, शशि कांता, कृष्णा पाहुजा, यशपाल चावला, करुणा चांदना, महेन्द्र पाल अरोड़ा, कृष्णा सपरा, सोहनलाल आर्य आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970